प्रकरण सं0 .....अनवान.....

Continuation Note Sheet

08-7-20

प्रार्थीया द्वारा हाजिर अधिवक्ता प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने पर पत्रावली पेशी में ली गई। प्रार्थीया द्वारा प्रार्थना पत्र में कथन किया कि वादीया एवं प्रतिवादी सं.1 का आपस में राजीनामा हो गया है। वाद को आज की पेशी में दाखिल दफ्तर किया जावे।

प्रार्थीया/वादिया द्वारा वाद में आगे कार्यवाही नहीं चाहने पर वादीया, वाद इसी स्टेज पर दाखिल दफ्तर किया जाता है। पत्रावली वाद तकमील जाब्ता दाखिल अभिलेखागार हो।

(उम्मेद सिंह रतनू)
उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
श्रीगंगानगर

Scanned by CamScanner